स्वच्छता पखवाड़ा की रिपोर्ट (16-28 फरवरी 2020)

उपभोक्ता मामले विभाग
(16-18 फरवरी)

- सफाई अभियान चलाया गया और स्वच्छता पखवाड़े के दौरान विभाग की वेबसाइट के माध्यम से स्वच्छता पर वीडियो स्पॉट चलाया गया।
- आस-पड़ोस में सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ली।
- कृषि भवन के परिसर में नुक्कड़ नाटक की टीम द्वारा स्वच्छता बनाए रखने पर स्पष्ट संदेश दिया गया।
- विभाग में विभिन्न अन्य गतिविधियां जैसे श्रमदान, एकल प्रयोग प्लास्टिक का निपटान, कार्यालय परिसर की सफाई और नुक्कड़ नाटक किया गया।
- विविध स्वच्छता संबंधित प्रतियोगिताओं और प्रश्नावली का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।
- विभाग ने ठोस अशिष्ट के सुरक्षित निपटान के लिए सफाई और छंटाई अभियान चलाया गया।
- पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा बायो-मेडिकल अपशिष्ट और ई-अपशिष्ट तथा कोरोना वायरस के निपटान पर सत्र प्रस्तुत किये गये।

उपभोक्ता मामले विभाग में 16 से 28 फरवरी, 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया और इस दिशा में, स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देने के लिए अनेक गतिविधियां की गई। पखवाड़े के दौरान, विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर स्वच्छता पर जानकारी पूर्ण वीडियो डिस्प्ले किये गये। इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संदेश प्रसारित करने के लिए प्रासंगिक हैशटैग #HarKadamSwachhtaKiOre का प्रयोग किया गया है। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों द्वारा चुने गए बाजारों में सफाई अभियान भी चलाया गया और उपभोक्ताओं को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता के बारे में बताया गया। विभाग में एकल-प्रयोग प्लास्टिक को बंद करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। चलाई गई गतिविधियों का दिवस-वार ब्यौरा निम्नानुसार है-

दिवस-1

17 फरवरी से कृषि भवन में 'स्वच्छता प्रतिज्ञा' के साथ पखवाड़ा आरंभ हुआ। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और अपने नागरिक कर्त्तव्य के रूप में आस-पास में स्वच्छता को बनाए रखने के लिए शपथ ली।

दिवस 2

कृषि भवन में 18 फरवरी को संगीत और नाटक प्रभाग (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय) की टीम द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। टीम ने हमारे परिवेश को साफ और स्वच्छ रखने का स्पष्ट संदेश दिया। दर्शकों में से प्रत्येक ने प्रस्तुती की सराहना की क्योंकि यह उनके लिए एक मजेदार और विचारशील अनुभव था।

दिवस 3

स्वच्छता शपथ और नुक्कड़ नाटक के बाद, विभाग के सभी अनुभागों, कॉरिडोर और रिकॉर्ड रूम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस प्रक्रिया के दौरान, पेपर अपशिष्ट, इलैक्ट्रिकल अपशिष्ट और बैटरियों का सुरक्षित निपटान किया गया। रिकॉर्ड रूप में पेपर अपशिष्ट को कम कररने और क्षेत्र को साफ करने के लिए पुराने रिकॉर्ड की समीक्षा की गई। यह संदेश प्रसारित करने के लिए कि " स्वच्छता स्वयं से आरंभ होता है " अभियान को यह बताने के लिए आयोजित किया गया था कि किसी को अपने कार्यस्थल या निजी स्थान से परिवर्तन शुरू करना होगा और तभी देश बदलेगा।

दिवस 4

स्वच्छता पखवाड़े का दिवस 4 " श्रमदान-पर्यावरण को स्वच्छ तथा हरा-भरा रखने का एक प्रयास " के साथ आरंभ हुआ। सभी कर्मचारियों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में लिया और उन्होंने सफाई बनाए रखने के लिए झाड़ू से कृषि भवन की सफाई की।

दिवस-5

विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर भाषण सह प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया गया। पहले प्रस्तुतीकरण का विषय ई-अपशिष्ट का सुरक्षित निष्तारण था और इसे दिनांक 21 फरवरी को उपभोक्ता मामले विभाग के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसे श्री सोनू सिंह (वैज्ञानिक- पर्यावारण विभाग) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दिवस-6

विभाग के कर्मचारियों के लिए स्वच्छता एवं साफ-सफाई के संबंध में एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विभाग के कर्मियों की अच्छी भागीदारी रही।

दिवस-7

स्वच्छता पखवाड़ा के सातवें दिन एक सकरात्मक पैनल चर्चा आयोजित की गई। अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ रखने के विषय पर हुई चर्चा में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया। सभी लोगों ने दूषित वातावरण में रहने के प्रतिकूल परिणामों की चर्चा की और वातावरण को साफ रखने के तरीकों और पद्धतियों पर अपने सुझाव दिए।

दिवस-8

विभाग के सभी अनुभागों/प्रभागों ने सफाई और प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट वस्तुओं के पृथक्करण के कार्यक्रम को जारी रखा है।

दिवस-9

स्वच्छता पखवाड़ा के दूसरे दिन वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति ने स्वच्छता और उत्कृष्ट अनुभाग के संबंध में अपना निर्णय देने के लिए विभिन्न अनुभागों का भ्रमण किया। इससे अधिकारियों को अपने-अपने अनुभाग को साफ-सुथरा रखने की प्रेरणा मिली।

दिवस-10

स्वच्छता पखवाड़ा के समापन दिवस के अवसर पर बायो-मेडिकल अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान और कोरोना वायरस संक्रमाण से बचाव के लिए उठाए गए एहतियाती कदम और खतरों पर एक व्याख्यान-सह-प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया गया। श्री ए.एन सिंह और श्री धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया। इसके उपरांत श्रीमती निधि खरे, अपर सचिव, (उ.मा) ने उत्कृष्ट अनुभाग और क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।